



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 30 अगस्त, 2026

जारी करने का समय: 1400 घंटे

विषय: (i) उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे सटे पश्चिम बंगाल-उत्तरी ओडिशा तटों पर बने 'वेल मार्कड लो-प्रेसर एरिया' (अच्छी तरह से चिह्नित कम दबाव वाले क्षेत्र) के असर से, 30 और 31 तारीख को गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल और झारखंड में कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है; साथ ही 30 अगस्त से 1 सितंबर के दौरान ओडिशा और छत्तीसगढ़ में भी बारिश होगी, जिसमें 30 और 31 तारीख को ओडिशा में और 31 अगस्त 2026 को छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं बहुत ज्यादा भारी बारिश हो सकती है।

(ii) अगले एक हफ्ते तक प्रायद्वीपीय भारत में बारिश की गतिविधियां कम रहने की संभावना है।

आज, 30 अगस्त, 2026 को सुबह 08:30 बजे IST तक पिछले 24 घंटों में हुआ मौसम:

- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश में कुछ जगहों पर बहुत ज्यादा बारिश (20 cm से ज्यादा) दर्ज की गई है।
- ❖ ओडिशा, झारखंड, पूर्वी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और हरियाणा में कुछ जगहों पर बहुत भारी बारिश (12-20 cm) दर्ज की गई है।
- ❖ गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तराखंड, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और कोंकण व गोवा में कुछ जगहों पर भारी बारिश (7-11 cm) दर्ज की गई है।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुबंध I और II):

- ❖ मानसून ट्रफ का पश्चिमी सिरा अपनी सामान्य स्थिति से उत्तर की ओर है और पूर्वी सिरा समुद्र तल पर अपनी सामान्य स्थिति के पास है।
- ❖ उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे सटे पश्चिम बंगाल-उत्तरी ओडिशा तटों पर बना कम दबाव का क्षेत्र आज, 30 अगस्त 2026 को सुबह 08:30 बजे (IST) उसी इलाके में एक 'वेल मार्कड लो प्रेशर एरिया' (स्पष्ट रूप से चिह्नित कम दबाव का क्षेत्र) के रूप में मौजूद था। इसके अगले 24 घंटों के दौरान उत्तरी ओडिशा और गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल से होते हुए पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना है।
- ❖ ऊपर बताए गए 'वेल मार्कड लो प्रेशर एरिया' के केंद्र से जुड़ी चक्रवाती परिसंचरण (साइक्लोनिक सर्कुलेशन) से एक ट्रफ निचले क्षोभमंडल (ट्रोपोस्फेरिक) स्तरों पर झारखंड और बिहार होते हुए उत्तर-पश्चिम उत्तर प्रदेश तक फैली हुई है।
- ❖ पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टर्बेंस) मध्य क्षोभमंडल स्तरों पर उत्तरी पाकिस्तान और उससे सटे जम्मू डिवीज़न के ऊपर ऊपरी-हवा के चक्रवाती परिसंचरण के रूप में मौजूद था।
- ❖ मध्य क्षोभमंडल स्तरों पर सौराष्ट्र और उसके आस-पास के इलाकों में ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण मौजूद था।
- ❖ मानसून ट्रफ का पश्चिमी सिरा अपनी सामान्य स्थिति से उत्तर की ओर है और पूर्वी सिरा समुद्र तल पर अपनी सामान्य स्थिति के पास है।

ऊपर बताई गई प्रणालियों के असर से, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

उत्तर-पश्चिम भारत:

- ❖ 30 अगस्त और 3-5 सितंबर के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद में; और 30 अगस्त को हिमाचल प्रदेश में कहीं-कहीं बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 30 अगस्त-5 सितंबर के दौरान हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली, पंजाब और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 30-31 अगस्त के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में; 3-5 सितंबर के दौरान पश्चिमी राजस्थान में; और 1-5 सितंबर के दौरान पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 31 अगस्त-2 सितंबर के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद में; 31 अगस्त-5 सितंबर के दौरान हिमाचल प्रदेश में; और 30 अगस्त-5 सितंबर के दौरान उत्तराखंड में काफी ज़्यादा या बड़े इलाके में बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 1-5 सितंबर के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में काफी ज़्यादा या बड़े इलाके में बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 30 अगस्त-5 सितंबर के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद और उत्तराखंड में; 31 अगस्त-1 सितंबर के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; और 30 अगस्त-1 सितंबर के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 31 अगस्त-1 सितंबर के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद में; 31 अगस्त-3 सितंबर के दौरान हिमाचल प्रदेश में; 2-5 सितंबर के दौरान उत्तराखंड में; 31 अगस्त-5 सितंबर के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; और 30 अगस्त व 1-5 सितंबर के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, 30 अगस्त-1 सितंबर के दौरान उत्तराखंड में और 31 अगस्त को पूर्वी उत्तर प्रदेश में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।

मध्य भारत:

- ❖ 30 अगस्त से 1 सितंबर के बीच पश्चिमी मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 2 से 5 सितंबर के बीच पश्चिमी मध्य प्रदेश में; और 30 अगस्त से 5 सितंबर के बीच छत्तीसगढ़, पूर्वी मध्य प्रदेश और विदर्भ में काफी ज़्यादा या बड़े इलाके में बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 30 अगस्त से 3 सितंबर के बीच छत्तीसगढ़, पूर्वी मध्य प्रदेश और पश्चिमी मध्य प्रदेश में; और 2 से 3 सितंबर के बीच विदर्भ में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 1 से 2 सितंबर के बीच पश्चिमी मध्य प्रदेश में; 30-31 अगस्त और 4-5 सितंबर के बीच पूर्वी मध्य प्रदेश में; 2-3 सितंबर के बीच विदर्भ में; 31 अगस्त और 2-4 सितंबर के बीच छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, 3-5 सितंबर के बीच पश्चिमी मध्य प्रदेश में; 1-3 सितंबर के बीच पूर्वी मध्य प्रदेश में; और 30 अगस्त व 1 सितंबर को छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।
- ❖ 31 अगस्त को छत्तीसगढ़ में कुछ जगहों पर अत्यंत भारी बारिश (Extremely Heavy) होने की संभावना है।

पूर्वी भारत:

- ❖ 30 अगस्त से 5 सितंबर के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में काफी ज़्यादा से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है; 30 अगस्त से 2 सितंबर के दौरान झारखंड और ओडिशा में; 31 अगस्त से 2 सितंबर के दौरान बिहार में।
- ❖ 3 से 5 सितंबर के दौरान झारखंड और ओडिशा में कहीं-कहीं बारिश होने की संभावना है; बिहार में 30 अगस्त और 3 से 5 सितंबर के दौरान।
- ❖ 30 अगस्त से 5 सितंबर के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में; 30 से 31 अगस्त के दौरान गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में; 30 अगस्त से 1 सितंबर के दौरान ओडिशा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है; साथ ही 30 अगस्त से 2 सितंबर के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 1 सितंबर को गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में; 30

अगस्त से 3 सितंबर के दौरान झारखंड में; 30 अगस्त से 5 सितंबर के दौरान बिहार में तेज़ हवाएं (30-40 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।

- ❖ 31 अगस्त से 3 सितंबर के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 31 अगस्त से 1 सितंबर के दौरान गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में; 1 से 2 सितंबर के दौरान झारखंड में; 30 अगस्त और 1 से 2 सितंबर के दौरान बिहार में; 30 से 31 अगस्त और 2 से 3 सितंबर के दौरान ओडिशा में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है; साथ ही 30 अगस्त को गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में; 30 से 31 अगस्त के दौरान झारखंड में; 31 अगस्त को बिहार में; 1 सितंबर को ओडिशा में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 30 और 31 अगस्त को ओडिशा में कुछ जगहों पर अत्यंत ज़्यादा बारिश (Extremely Heavy) होने की संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत:

- ❖ 30 अगस्त से 5 सितंबर के दौरान अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में काफी ज़्यादा से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 30 अगस्त से 3 सितंबर के दौरान अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 30 अगस्त और 1 से 5 सितंबर के दौरान; असम और मेघालय में 31 अगस्त से 5 सितंबर के दौरान; नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 1 से 5 सितंबर के दौरान कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, अरुणाचल प्रदेश में 31 अगस्त; असम और मेघालय में 30 अगस्त; नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 30-31 अगस्त के दौरान कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।

पश्चिम भारत:

- ❖ 30 अगस्त से 5 सितंबर के दौरान कोंकण और गोवा में; और 4 सितंबर को मध्य महाराष्ट्र में काफी ज़्यादा या व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 30 अगस्त से 3 सितंबर और 5 सितंबर को मध्य महाराष्ट्र में; और 30 अगस्त से 5 सितंबर के दौरान गुजरात क्षेत्र, मराठवाड़ा और सौराष्ट्र व कच्छ में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 4 सितंबर को मध्य महाराष्ट्र में; और 30-31 अगस्त व 3 सितंबर को मराठवाड़ा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 30 अगस्त को मध्य महाराष्ट्र में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- ❖ 30 अगस्त से 5 सितंबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, रायलसीमा, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और तेलंगाना में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है; 4-5 सितंबर के दौरान केरल और माहे और लक्षद्वीप में भी ऐसी ही बारिश हो सकती है।
- ❖ 30 अगस्त से 3 सितंबर के दौरान केरल और माहे और लक्षद्वीप में; और 30 अगस्त से 5 सितंबर के दौरान तटीय कर्नाटक में काफी बड़े इलाके में या लगभग सभी जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 30 अगस्त से 2 सितंबर के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; और 30 अगस्त से 3 सितंबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम और रायलसीमा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा की रफ्तार, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है। साथ ही, 30-31 अगस्त के दौरान केरल और माहे, लक्षद्वीप और तेलंगाना में; और 30 अगस्त से 1 सितंबर के दौरान तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में तेज़ हवाएं (30-40 किमी/घंटा की रफ्तार, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ 30-31 अगस्त के दौरान केरल और माहे और लक्षद्वीप में; 30 अगस्त से 1 सितंबर के दौरान तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में; और 30 अगस्त से 3 सितंबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम और रायलसीमा में जमीन के पास तेज़ हवाएं चलने की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

- ❖ बंगाल की खाड़ी: दक्षिण तमिलनाडु तट के पास, मन्नार की खाड़ी के कुछ हिस्से जो कोमोरिन इलाके से सटे हैं और दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्से जो दक्षिण श्रीलंका तट से सटे हैं, वहां 4 सितंबर तक; और अंडमान सागर में 3 सितंबर तक; पश्चिम बंगाल, ओडिशा, उत्तरी आंध्र प्रदेश और बांग्लादेश के तटों के पास और उनसे सटे इलाकों में, तथा मध्य बंगाल की खाड़ी के उत्तरी हिस्सों में 1 सितंबर तक।
- ❖ अरब सागर: सोमालिया और ओमान के तटों के पास और उनसे सटे इलाकों में, पश्चिम-मध्य अरब सागर के कई हिस्सों और दक्षिण-पश्चिम अरब सागर के कुछ हिस्सों में 4 सितंबर तक; और उससे सटे उत्तरी व पूर्व-मध्य अरब सागर में 2 सितंबर तक।

अगले 4 दिनों के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक III देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

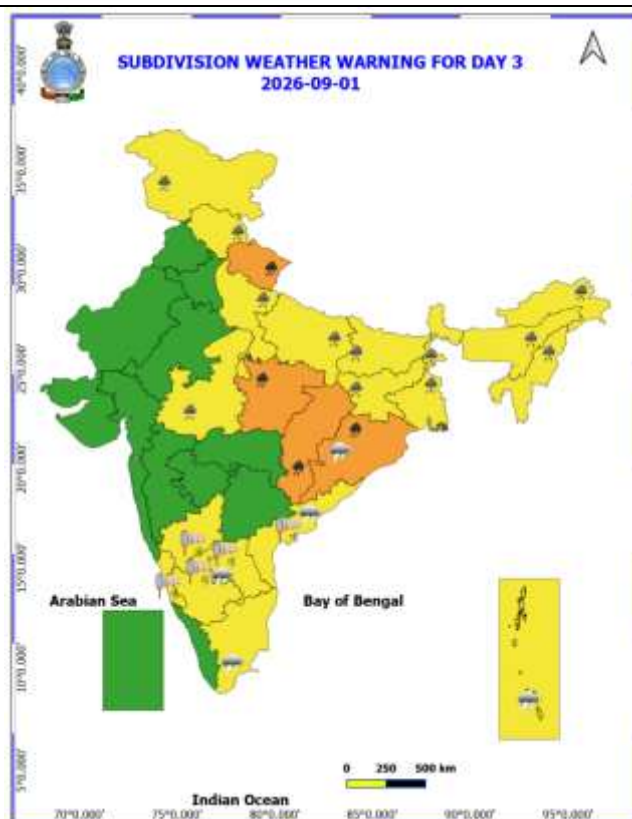
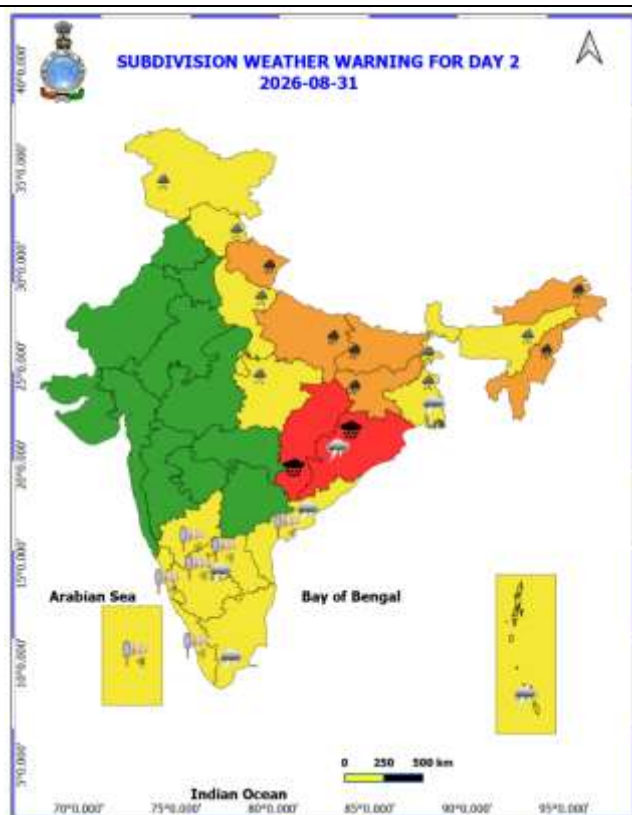
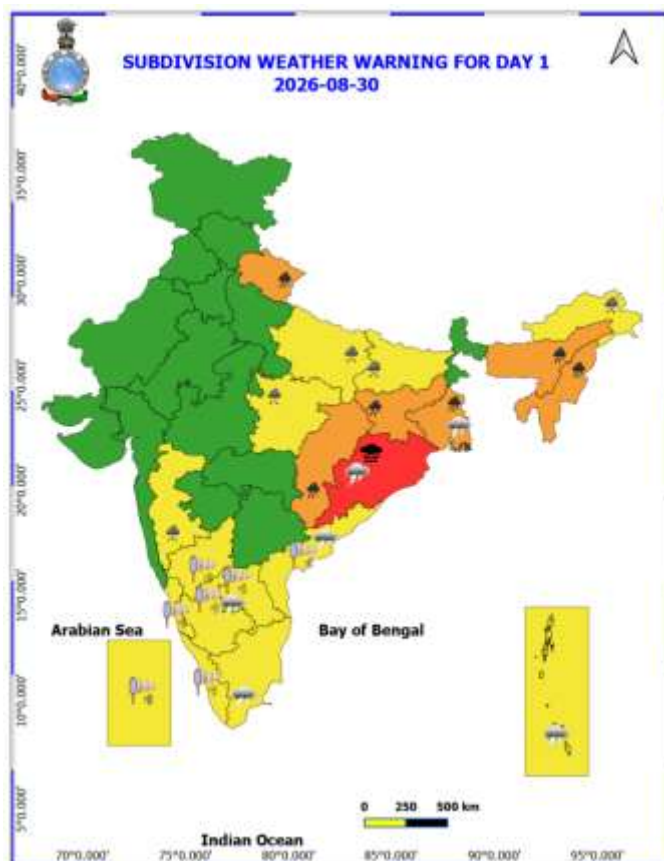
मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

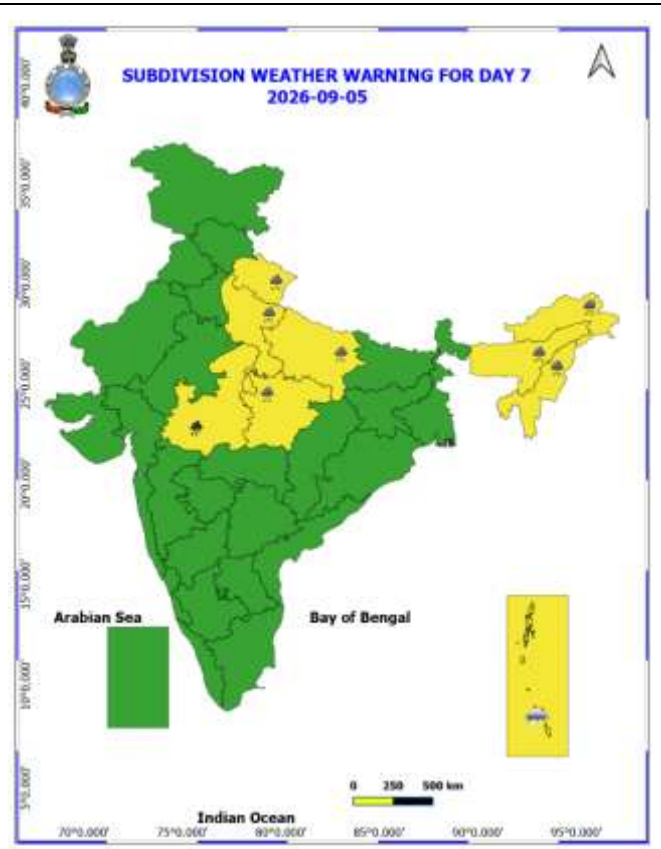
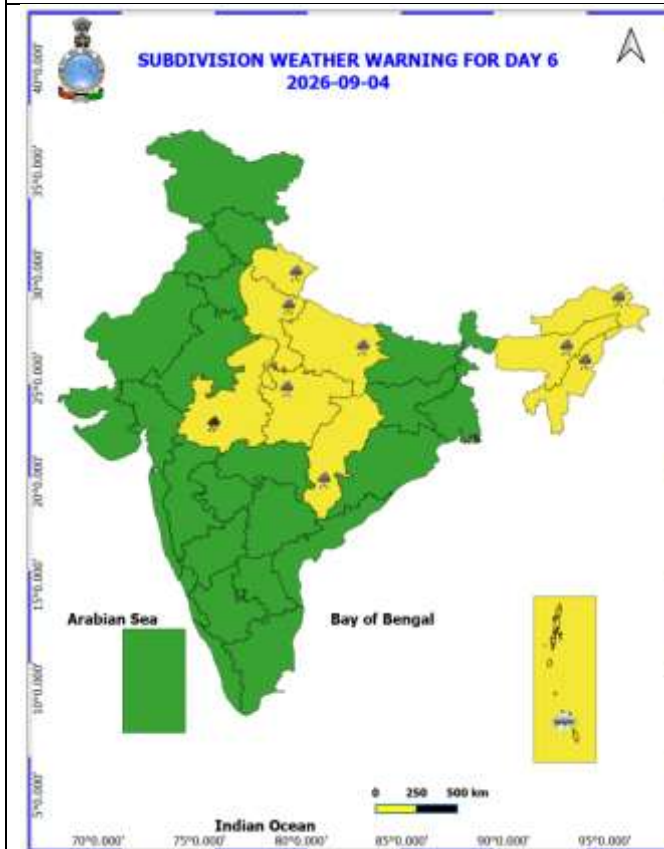
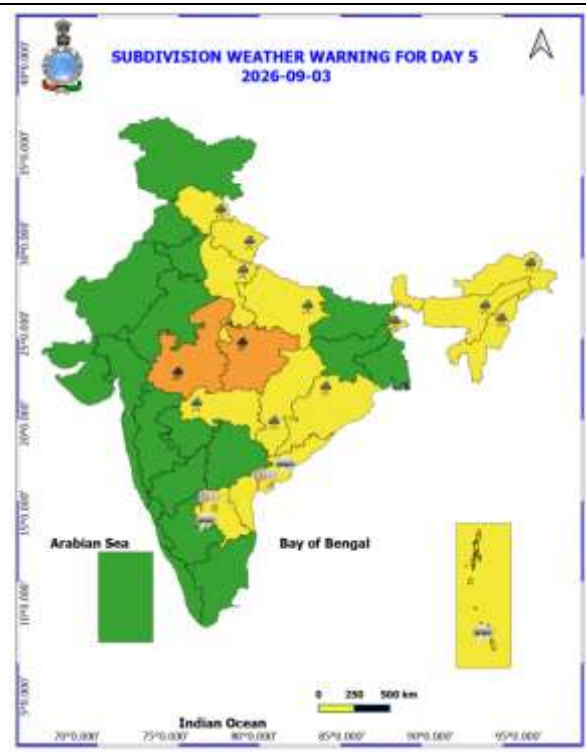
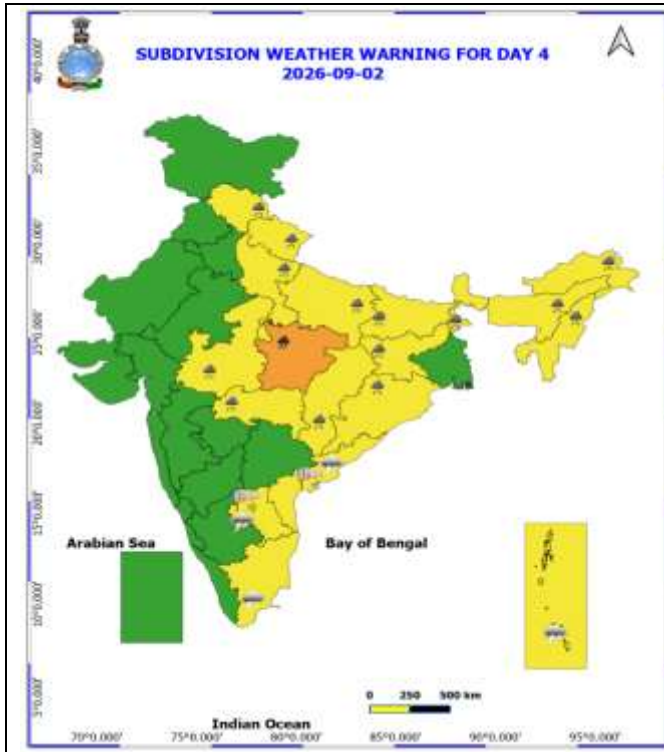
सबसे ज़्यादा बारिश (≥ 7 सेमी) (कल सुबह 08:30 IST से आज सुबह 08:30 IST तक अलग-अलग मौसम संबंधी उप-मंडल में):

- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश: बबेरू (बांदा) 22
- ❖ ओडिशा: बालासोर 16
- ❖ हरियाणा: कालका (जिला पंचकुला) 16
- ❖ झारखंड: लातेहार 14
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश: रामनगर 12
- ❖ छत्तीसगढ़: बलरामपुर 12
- ❖ उत्तराखंड: मालदेवता (AWS) 9
- ❖ बिहार: औरंगाबाद 8
- ❖ कोंकण और गोवा: क्यूपेम (गोवा) 8
- ❖ पश्चिमी उत्तर प्रदेश: बीसलपुर (पीलीभीत) 8
- ❖ गांगेय पश्चिम बंगाल: बांकुरा 8

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	30- Aug	31- Aug	1- Sep	2- Sep	3- Sep	4- Sep	5- Sep
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
2	ARUNACHAL PRADESH	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	FWS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
7	ODISHA	WS	WS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
8	JHARKHAND	WS	WS	WS	FWS	SCT	SCT	ISOL
9	BIHAR	SCT	FWS	WS	FWS	SCT	SCT	SCT
10	EAST UTTAR PRADESH	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
11	WEST UTTAR PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
12	UTTARAKHAND	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
14	PUNJAB	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
15	HIMACHAL PRADESH	SCT	FWS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	SCT	WS	WS	FWS	SCT	SCT	SCT
17	WEST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL
18	EAST RAJASTHAN	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT
19	WEST MADHYA PRADESH	ISOL	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
20	EAST MADHYA PRADESH	FWS	FWS	WS	WS	WS	FWS	FWS
21	GUJRAT REGION	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
22	SAURASHTRA & KUTCH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
23	KONKAN & GOA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
24	MADHYA MAHARASHTRA	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	SCT
25	MARATHWADA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	ISOL
26	VIDARBHA	FWS	FWS	FWS	WS	WS	FWS	FWS
27	CHHATTISGARH	WS	WS	WS	WS	WS	WS	FWS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
35	KERALA AND MAHE	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
36	LAKSHADWEEP	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

30 अगस्त से 02 सितंबर 2026 के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम का पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम तापमान में 1°C की बढ़ोतरी हुई है और न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं हुआ है। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान $34-36^{\circ}\text{C}$ और न्यूनतम तापमान $24-28^{\circ}\text{C}$ के बीच रहा। न्यूनतम तापमान कुछ जगहों पर सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C), कुछ जगहों पर सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। अधिकतम तापमान कुछ जगहों पर सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C), कुछ जगहों पर सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में आसमान आंशिक रूप से बादल वाला रहा और ज़मीन के पास हवा की गति 20 किमी/घंटा रही, जिसके झोंके 35 किमी/घंटा तक पहुँचे; हवा पश्चिम दिशा से चली। आज इस इलाके में सुबह के समय आसमान आंशिक रूप से बादल वाला रहने और पश्चिम दिशा से 20 किमी/घंटा तक की गति से हवा चलने (जिसके झोंके 35 किमी/घंटा तक हो सकते हैं) की संभावना है।

मौसम का पूर्वानुमान:

30.08.2026: आसमान आंशिक रूप से बादल वाला रहेगा। दिल्ली में अधिकतम तापमान $36-38^{\circ}\text{C}$ के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य रूप से दक्षिण-पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है और दोपहर के समय हवा की गति 20 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है। शाम और रात के समय दक्षिण-पश्चिम दिशा से हवा की गति बढ़कर 25 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

31.08.2026: आसमान आंशिक रूप से बादल वाला रहेगा। दिल्ली में अधिकतम तापमान 35°C से 37°C और न्यूनतम तापमान 25°C से 27°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा, और दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से ज्यादा (1.6°C से 3.0°C) रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य रूप से दक्षिण-पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी रफ्तार सुबह के समय 25 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय दक्षिण-पश्चिम दिशा से चलने वाली हवा की रफ्तार कम होकर 20 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय दक्षिण-पश्चिम दिशा से चलने वाली हवा की रफ्तार बढ़कर 25 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

01.09.2026: आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दोपहर से शाम के बीच कई जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश के साथ-साथ आंधी और बिजली कड़कने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 35°C से 37°C और न्यूनतम तापमान 25°C से 27°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के आसपास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा, और दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहेगा। ज़मीन पर मुख्य रूप से पश्चिमी हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 20 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय हवा की गति कम होकर 12 किमी/घंटा (पश्चिम दिशा से) हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति बढ़कर 15 किमी/घंटा (उत्तर-पश्चिम दिशा से) हो जाएगी।

02.09.2026: आमतौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। सुबह से दोपहर के बीच कई जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश होगी, जबकि कुछ जगहों पर मध्यम बारिश के साथ आंधी-तूफान और बिजली कड़कने की भी संभावना है। दोपहर से शाम के बीच कई जगहों पर फिर से बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 32°C से 34°C और न्यूनतम तापमान 24°C से 26°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा, और दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। ज़मीन पर मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 15 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय ज़मीन पर हवा की गति कम होकर 12 किमी/घंटा (पश्चिम दिशा से) हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति बढ़कर 15 किमी/घंटा (दक्षिण-पश्चिम दिशा से) हो जाएगी।

बहुत भारी बारिश के कारण संभावित असर और सुझाए गए उपाय:

- ❖ 30 और 31 अगस्त को ओडिशा में और 31 अगस्त को छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं बहुत ज्यादा बारिश होने की संभावना है;
- ❖ 30 अगस्त से 1 सितंबर के दौरान उत्तराखंड में; 31 अगस्त को पूर्वी उत्तर प्रदेश में; 3 से 5 सितंबर के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश में; 1 से 3 सितंबर के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश में; 30 अगस्त और 1 सितंबर को छत्तीसगढ़ में; 30 अगस्त को गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में; 30-31 अगस्त के दौरान झारखंड में; 31 अगस्त को बिहार में; 1 सितंबर को ओडिशा में; 31 अगस्त को अरुणाचल प्रदेश में; 30 अगस्त को असम और मेघालय में; और 30-31 अगस्त के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

संभावित असर:

- ❖ पेड़ों की टहनियां टूट सकती हैं और केले, पपीते व सहजन जैसे छोटे पेड़ उखड़ सकते हैं। तेज़ हवा और बारिश से बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- ❖ तेज़ हवा और बारिश के कारण कमज़ोर ढांचों को आंशिक नुकसान हो सकता है।
- ❖ भारी बारिश के कारण कच्चे घरों/दीवारों, झोपड़ियों और सड़कों को मामूली नुकसान हो सकता है।
- ❖ हल्की चीज़ें उड़ सकती हैं।
- ❖ छोटी नावें, ट्रॉलर और अन्य नौकाएं प्रभावित हो सकती हैं।
- ❖ भारी बारिश और तेज़ हवाओं के कारण सड़क और रेल यातायात प्रभावित हो सकता है।
- ❖ निचले इलाकों में कहीं-कहीं भूस्खलन, कीचड़ का बहाव, ज़मीन खिसकने, जलभराव और बाढ़ की स्थिति बन सकती है।
- ❖ भारी बारिश के कारण कभी-कभी दृश्यता (visibility) कम हो सकती है।
- ❖ हेलीकॉप्टर सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं।

सुझाए गए उपाय:

- ❖ लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की बिगड़ती स्थिति पर नज़र रखें और ज़रूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- ❖ सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें, क्योंकि बिजली गिर सकती है।
- ❖ बिजली गिरने की आशंका होने पर, बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें, तुरंत जलाशयों से बाहर निकल आएँ और बिजली के सुचालक पदार्थों से दूर रहें।
- ❖ पर्यटन और मनोरंजक गतिविधियों को नियंत्रित किया जाए।
- ❖ तटीय और समुद्र में होने वाली गतिविधियों को समझदारी से नियंत्रित किया जाए।
- ❖ हेलीकॉप्टर सेवाओं को नियंत्रित किया जाए।

भारी बारिश के संभावित असर के लिए कृषि मौसम परामर्श

- ❖ ओडिशा में, धान, मक्का, दालों, कपास, अरहर, सब्जियों और नर्सरी बेड से अतिरिक्त पानी निकाल दें; जल निकासी के रास्तों और आउटलेट को साफ रखें। जब तक मिट्टी काम करने लायक न हो जाए, तब तक जलभराव वाले खेतों में बुवाई, खाद डालने और अन्य कृषि कार्यों को टाल दें।
- ❖ झारखंड में, सभी फसलों में पानी की सही निकासी सुनिश्चित करें और सब्जियों के पौधों को भारी बारिश से बचाएं। कटी हुई फसल को सुरक्षित और सूखी जगह पर रखें।
- ❖ छत्तीसगढ़ में, अतिरिक्त बारिश का पानी निकाल दें और धान, मक्का, मूंगफली, छोटे मोटे अनाज (मिलेट्स), दालों और सब्जियों के खेतों में पानी की सही निकासी सुनिश्चित करें ताकि पानी जमा न हो। निचले इलाकों में मक्का, अदरक, हल्दी और सब्जियों के खेतों में जल निकासी के रास्तों को साफ करें और कुकुरबिट्स (जैसे कद्दू, लौकी, खीरा), टमाटर और शिमला मिर्च की बेलों/पौधों को सहारा दें।

- ❖ बिहार में, खड़ी फसलों में पानी की सही निकासी बनाए रखें और बहुत गीली स्थिति में खेतों में काम करने से बचें। रोपाई किए गए धान के खेत में पानी की उचित मात्रा बनाए रखें, लेकिन लंबे समय तक पानी जमा न होने दें।
- ❖ पश्चिम बंगाल में, धान, मूंगफली, सब्जियों के खेतों और बागों में जल निकासी के रास्तों को साफ रखें। सब्जियों के पौधों को भारी बारिश से बचाएं, कुरकुरबिट्स के आसपास जल निकासी में सुधार करें और गीली स्थिति में नाइट्रोजन का इस्तेमाल न करें।
- ❖ उत्तराखंड में, गन्ना, सोयाबीन, राजमा, मूंग, उड़द, अन्य खड़ी फसलों और सब्जियों के खेतों में पानी की सही निकासी बनाए रखें। जल निकासी के रास्तों को साफ रखें और लंबी फसलों व सब्जियों को सहारा दें ताकि वे गिरे नहीं।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश में, धान, मक्का, रागी (फिंगर मिलेट), सोयाबीन, लोबिया, सब्जियों और बागों से अतिरिक्त पानी निकालने के लिए सही जल निकासी व्यवस्था बनाए रखें। बालियां निकलने और फूल आने के समय मिलेट (मोटे अनाज) के खेतों में पानी की निकासी अच्छी रखें और कीट व बीमारी के हमले के लिए फसलों की निगरानी करें।
- ❖ असम और मेघालय में, खेतों में पानी की निकासी का सही इंतजाम रखें और बारिश के दौरान खाद और पौधों की सुरक्षा के लिए दवाएं डालने का काम टाल दें। अरहर, मूंग और तिल की बुवाई तभी करें जब खेत की हालत ठीक हो और जूट की कटाई फलियों के छोटे रहने की अवस्था में ही कर लें।
- ❖ नागालैंड में, धान के खेतों में पानी का स्तर 3-5 सेमी बनाए रखें और मौसम ठीक होने पर मक्के की पकी हुई बालियों की कटाई करें।
- ❖ मणिपुर में, बारिश न होने पर अरबी और पके हुए अदरक की कटाई करें और अदरक के खेतों में पानी की निकासी का सही इंतजाम रखें।
- ❖ मिज़ोरम में, मक्के की कटाई के बाद उड़द, मूंग, सोयाबीन, तिल और मसूर की बुवाई के लिए खेत तैयार करें। अदरक के खेतों में पानी की निकासी का ध्यान रखें और पानी जमा न होने दें ताकि सॉफ्ट-रॉट और राइज़ोम-रॉट (सड़न रोग) का खतरा कम हो।
- ❖ त्रिपुरा में, 'औस' धान में बालियां निकलने और बूटिंग (गांठ बनने) के समय मिट्टी में नमी बनाए रखें, साथ ही मूंगफली के निचले खेतों में पानी जमा होने से बचाने के लिए निकासी का इंतजाम करें।
- ❖ उत्तर प्रदेश में, खड़ी फसल वाले खेतों में पानी की निकासी का सही इंतजाम रखें और गीले मौसम में सिंचाई, खेती-बाड़ी के काम, खाद और पौधों की सुरक्षा के लिए दवाएं डालने का काम टाल दें। छोटे पौधों, सब्जियों और बागवानी वाली फसलों को सहारा दें।
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश में, सोयाबीन, कपास, मक्का और गन्ने के खेतों में पानी जमा होने से बचाने के लिए निकासी का सही इंतजाम करें; सब्जियों की रोपाई टाल दें और फलों के छोटे पौधों को सहारा दें। गन्ने की फसल को गिरने से बचाने के लिए उसे सहारा (प्रॉपिंग) दें।
- ❖ मध्य महाराष्ट्र में, घाट वाले इलाकों में धान, रागी और सब्जियों के खेतों से पानी की सही निकासी बनाए रखें।

तूफ़ान / तेज़ हवाओं के संभावित असर के लिए एग्रोमेट सलाह

- ❖ कटी हुई फसल को सुरक्षित जगहों पर रखें या खेतों में ही तिरपाल से ढक दें। तेज़ ज़मीनी हवाओं से फसल के उड़ने या बिखरने के जोखिम को कम करने के लिए कटी हुई फसल को मज़बूती से बांधें और ढककर रखें।
- ❖ तेज़ हवाओं के कारण फसल को गिरने से बचाने के लिए बागवानी फसलों को यांत्रिक सहारा दें और सब्जियों व छोटे फलों के पौधों को सहारा (स्टेकिंग) दें।

पशुधन / पोल्ट्री / मत्स्य पालन

- ❖ भारी बारिश के दौरान जानवरों को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित चारा दें।
- ❖ चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित जगह पर रखें।
- ❖ तालाबों के चारों ओर सही जाली वाला निकास (आउटलेट) बनाएं ताकि अतिरिक्त पानी निकल सके और पानी ओवरफ्लो होने की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।

अचानक आई बाढ़ के लिए दिशा-निर्देश:

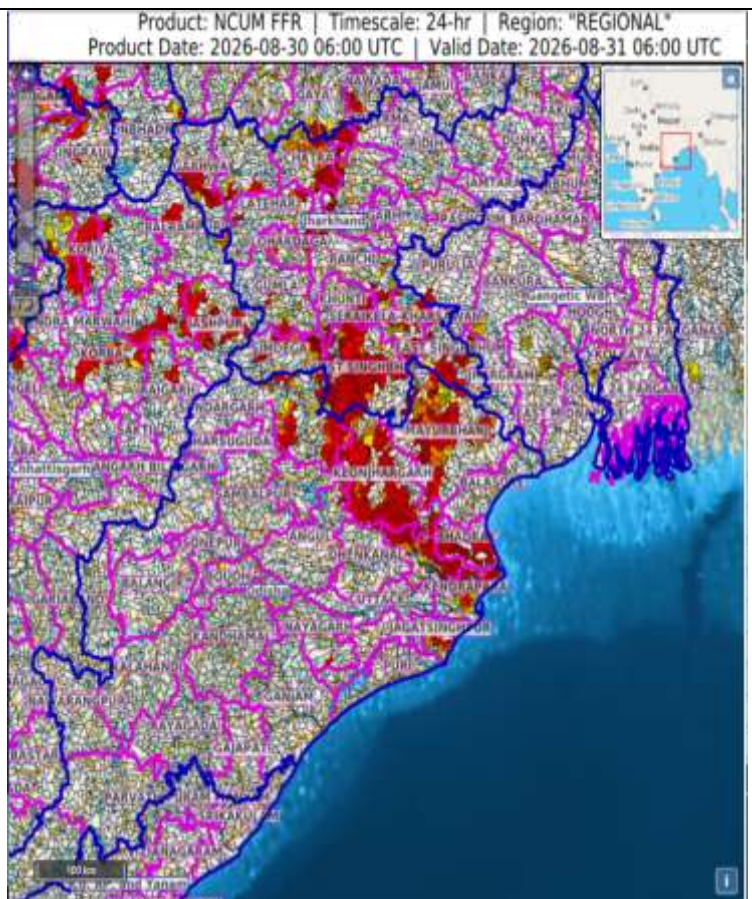
31-08-2026 को 11:30 IST तक अचानक बाढ़ के खतरे (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान:

अगले 24 घंटों के दौरान नीचे दिए गए मौसम उप-क्षेत्रों (Met Sub-divisions) के कुछ जल-ग्रहण क्षेत्रों (watersheds) और आस-पास के इलाकों में अचानक बाढ़ का खतरा कम से मध्यम रहने की संभावना है।
ओडिशा - भद्रक, बालासोर, जाजपुर, जगतसिंहपुर, केंद्रपाड़ा, क्योझरगढ़, मयूरभंज और सुंदरगढ़ जिले।

छत्तीसगढ़ - रायगढ़, बलरामपुर, सरगुजा, सूरजपुर, कोरबा, कोरिया, जशपुर जिले।

झारखंड - पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, खूंटी, सिमडेगा, गुमला, लोहरदगा, लातेहार, पलामू, हजारीबाग, गढ़वा और चतरा जिले।

अगले 24 घंटों में होने वाली संभावित बारिश के कारण, नक्शे में दिखाए गए चिंता वाले क्षेत्रों (AoC) में पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी (fully saturated soils) और निचले इलाकों में सतह पर पानी का बहाव (surface runoff) या जल-जमाव (inundation) हो सकता है।

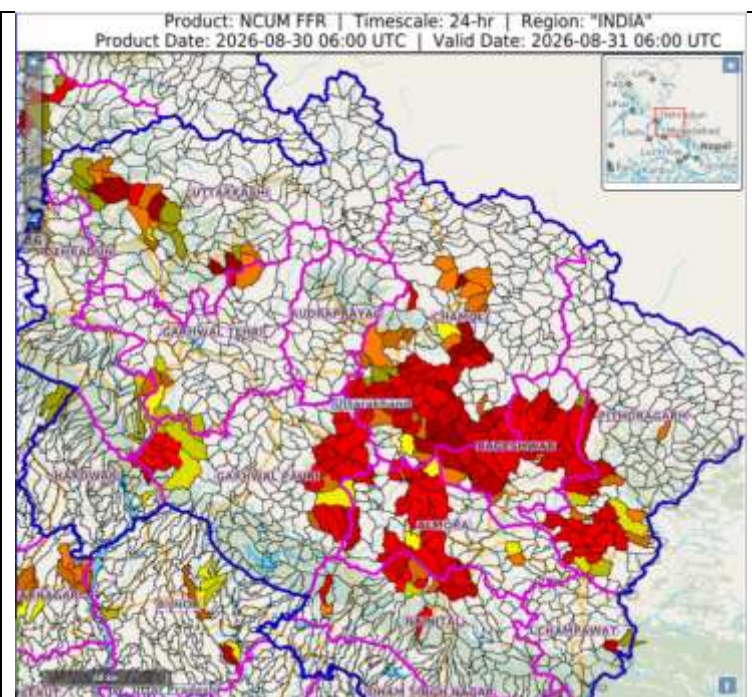


31-08-2026 को 11:30 IST तक अचानक बाढ़ (Flash Flood) के जोखिम (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान:

अगले 24 घंटों के दौरान नीचे बताए गए मौसम संबंधी उप-क्षेत्रों (Met Sub-divisions) के कुछ जल-ग्रहण क्षेत्रों (watersheds) और आस-पास के इलाकों में अचानक बाढ़ का जोखिम कम से मध्यम रहने की संभावना है।

उत्तराखंड - अल्मोड़ा, बागेश्वर, चमोली, चंपावत, देहरादून, नैनीताल, रुद्रप्रयाग, टिहरी गढ़वाल, पौड़ी गढ़वाल और उत्तरकाशी जिले।

अगले 24 घंटों में होने वाली संभावित बारिश के कारण, नक्शे में दिखाए गए 'चिंता वाले क्षेत्रों' (AoC) में पूरी तरह से पानी से भरी मिट्टी और निचले इलाकों में सतह पर पानी का बहाव (surface runoff) या जल-जमाव (inundation) हो सकता है।

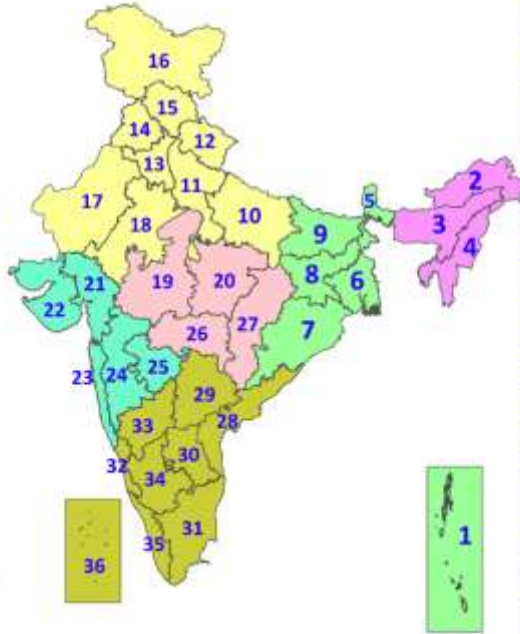


संकेत और संक्षिप्त नाम:

- ❖ भारी बारिश: 64.5-115.5 मिमी; बहुत भारी बारिश: 115.6-204.4 मिमी; अत्यधिक भारी बारिश: >204.4 मिमी।
- ❖ Obsy: वेधशाला (Observatory); Automatic Weather Station; ARG: Automatic Rain Gauge; dist: ज़िला; NH: नेशनल हाईवे; KVK: कृषि विज्ञान केंद्र; DVC: दामोदर वैली कॉर्पोरेशन; PTO: पार्ट टाइम ऑफिस; Aero: एयरोड्रोम; IAF: भारतीय वायु सेना।
- ❖ मौसम संबंधी उप-विभागों का क्षेत्र-वार वर्गीकरण:
- ❖ उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र (जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- ❖ मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- ❖ पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गांगेय पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- ❖ उत्तर-पूर्व भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और त्रिपुरा।
- ❖ पश्चिमी भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, तटीय महाराष्ट्र (कोंकण) और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा।
- ❖ दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल तथा लक्षद्वीप।

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)



Fog



Heavy Rain



Very Heavy Rain



Extremely Heavy Rain



Thunder & Lightning



Hailstorm



Dust Raising Winds



Heavy Snow



Dust Storm



Heat Wave



Warm Night



Hot Day



Hot & Humid



Strong Surface Winds



Cold Wave



Cold Day



Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

No Warning (No Action)

Watch (Be Aware)

Alert (Be Prepared To Take Action)

Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".

Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.

For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599

(Service to the Nation since 1875)

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *

Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm *
Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm *
Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm *

Heat Wave

When maximum temperature of a station reaches $\geq 40^\circ \text{C}$ for plains and $\geq 30^\circ \text{C}$ for hilly regions
(a) Based on Departure from normal

Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal 4.5°C to 6.4°C .

Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal $\geq 6.5^\circ \text{C}$

(b). Based on Actual maximum temperature

Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 45^\circ \text{C}$.

Severe Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 47^\circ \text{C}$

(c). Criteria for heat wave for coastal stations

When maximum temperature departure is $> 4.5^\circ \text{C}$ from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature $\geq 37^\circ \text{C}$

Warm Night

When maximum temperature remains 40°C

Warm Night: When minimum temperature departure 4.5°C to 6.4°C .

Severe Warm Night: When minimum temperature departure $> 6.4^\circ \text{C}$.

Cold Wave

When minimum temperature of a station $\leq 10^\circ \text{C}$ for plains and $\leq 0^\circ \text{C}$ for hilly regions.

(a). Based on departure

Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^\circ \text{C}$

(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)

Cold Wave : When Minimum Temperature is $\leq 4.0^\circ \text{C}$

Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is $\leq 2.0^\circ \text{C}$

(c) For Coastal Stations

When Minimum Temperature departure is $\leq -4.5^\circ \text{C}$ & actual Minimum Temperature is $\leq 15^\circ \text{C}$

Cold Day

When minimum temperature of a station $\leq 10^\circ \text{C}$ for plains and $\leq 0^\circ \text{C}$ for hilly regions
Based on departure

Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^\circ \text{C}$

Fog

Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility $< 1 \text{ km}$

Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres

Dense Fog: when the visibility between 50- 200 metres

Very Dense Fog: when the visibility < 50 metres

Thunderstorm

Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)

Dust/Sand Storm

An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.

Frost

Ice deposits on ground

Air temperature $\leq 4^\circ \text{C}$ (over Plains)

Squall

A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.

Moderate: Wind speed 52-61 kmph

Severe: Wind speed 62-87 kmph

Very Severe: Wind speed > 87 kmph

Sea State

Effect of various waves in the sea over specific area

Rough to very rough: Wind speed 41-82 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre

High to very high: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre

Phenomenal: Wind speed > 117 kmph (> 63 knots) & Wave height > 14 metre

Cyclone

Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots)

Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots)

Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-165 kmph (64 - 89 knots)

Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots)

Super Cyclone Storm: Wind speed > 220 kmph (> 119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)